मांग | विधायक मधु भगत ने ग्राम पंचायतों को सस्ती दरों पर रेत उपलब्ध कराने की उठाई मांग

विधानसभा में गूंजा रेत का मुद्दा

नवभारत,बालाघाट। रसवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मधु भगत ने मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में बालाघाट जिले में रेत की गंभीर समस्या का मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए सरकार का ध्यान ग्रामीण क्षेत्रों में उत्पन्न हो रहे संकट की ओर आकर्षित किया। उन्होंने विधानसभा में प्रश्न क्रमांक 770 के माध्यम से वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के दौरान जिले की रेत खदानों की स्थिति, निविदा प्रक्रिया, स्वीकृत ठेकों, संचालित रेत घाटों तथा वर्तमान व्यवस्था से संबंधित विस्तृत जानकारी सरकार से मांगी।

विधायक मधु भगत ने सदन में कहा कि बालाघाट जिले में अधिकांश रेत खदानों के ठेके समाप्त हो जाने और लंबे समय से नई स्वीकृतियां जारी नहीं होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्य पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। ग्राम पंचायतों को निर्माण कार्यों के लिए आवश्यक रेत उपलब्ध नहीं हो

पा रही है, जिससे शासन की अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन बाधित हो रहा है। उन्होंने कहा कि स्थिति ऐसी बन गई है कि पंचायतें स्वीकृत कार्यों को समय पर पूरा नहीं कर पा रही हैं और ग्रामीणों को इसका सीधा नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री आवास योजना, ग्रामीण सड़क निर्माण, सीसी रोड, नाली निर्माण, सामुदायिक भवन, पंचायत भवन तथा अन्य बुनियादी विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि रेत की अनुपलब्धता के कारण कई परियोजनाएं अधूरी पड़ी हैं। जिन परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मकान स्वीकृत हुए हैं, वे भी समय पर निर्माण पूरा नहीं कर पा रहे हैं। इससे ग्रामीणों में असंतोष बढ़ रहा है और पंचायतों पर भी अनावश्यक दबाव बन रहा है। विधायक भगत ने सरकार को याद दिलाया कि वर्ष 2013-14 में ऐसी व्यवस्था लागू थी, जिसके अंतर्गत ग्राम पंचायतों को स्थानीय विकास कार्यों और आम जनता की आवश्यकताओं के लिए निर्धारित एवं आसान दरों पर रेत उपलब्ध कराई जाती थी। उस व्यवस्था से पंचायतों को निर्माण सामग्री प्राप्त करने में सुविधा मिलती थी तथा विकास कार्य बिना किसी बाधा के संचालित होते थे। उन्होंने मांग की कि वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए उसी प्रकार की व्यवस्था को पुन: लागू किया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिल सके और लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में रेत की कमी के कारण निर्माण कार्यों की लागत भी बढ़ रही है। जहां कहीं निजी स्तर पर रेत उपलब्ध हो रही है, वहां उसकी कीमत आम लोगों और पंचायतों की पहुंच से बाहर है। इससे गरीब एवं मध्यम वर्ग के परिवारों को मकान निर्माण में अतिरिक्त आर्थिक बोझ उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार पंचायत स्तर पर नियंत्रित और पारदर्शी व्यवस्था लागू करती है, तो अवैध उत्खनन पर भी प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी और ग्रामीणों को उचित दरों पर रेत उपलब्ध होगी। विधानसभा में विधायक मधु भगत द्वारा उठाए गए इस मुद्दे को बालाघाट जिले की लंबे समय से चली आ रही एक प्रमुख समस्या के रूप में देखा जा रहा है। जिले के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से लगातार रेत की कमी और विकास कार्य प्रभावित होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। पंचायत प्रतिनिधियों का भी कहना है कि रेत उपलब्ध नहीं होने के कारण कई स्वीकृत निर्माण कार्य समय सीमा में पूरे नहीं हो पा रहे हैं। विधायक भगत ने सरकार से आग्रह किया कि बालाघाट जिले की परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए शीघ्र ठोस निर्णय लिया जाए। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों को सरल एवं पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित दरों पर रेत उपलब्ध कराई जाए, जिससे प्रधानमंत्री आवास सहित सभी विकास कार्यों में तेजी आए, ग्रामीण जनता को राहत मिले और शासन की योजनाओं का लाभ समय पर लोगों तक पहुंच सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि सरकार इस महत्वपूर्ण जनहित के विषय पर सकारात्मक निर्णय लेकर ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का शीघ्र समाधान करेगी।

करोड़ों की लागत से होंगे पुल निर्माण

प्रशासकीय स्वीकृति के बाद टेंडर प्रक्रिया शुरू

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले के दूरस्थ एवं दुर्गम आदिवासी अंचलों में आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में बड़ी पहल हुई है। वर्षों से जर्जर एवं क्षतिग्रस्त पुलों के कारण आवागमन में हो रही कठिनाइयों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टरमृणाल मीना के प्रयासों से जिले के सात महत्वपूर्ण पुलों के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इन पुलों के निर्माण के लिए मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री दीपक आर्य ने क्षतिग्रस्त पुलों के पुनर्निर्माण योजना के अंतर्गत प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी है और टेंडर प्रक्रिया भी प्रारंभ हो चुकी है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने दूरस्थ क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त पुलों के कारण ग्रामीणों को हो रही समस्याओं को देखते हुए शासन स्तर पर लगातार प्रयास किए। उनके प्रयासों के परिणामस्वरूप मध्यप्रदेश ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण द्वारा इन पुलों के निर्माण के लिए करोड़ों रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन पुलों के निर्माण से विशेष रूप से आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में आवागमन आसान होगा तथा ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और अन्य दैनिक आवश्यकताओं के लिए आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी।

इन पुलों का होगा निर्माण

स्वीकृत पुलों में परसवाड़ा विकासखंड के घोड़ादेही-सुकरी मार्ग पर 2 करोड़ 25 लाख 84 हजार रुपये, टिकरिया-डेंडवा मार्ग पर 2 करोड़ 90 लाख 41 हजार रुपये, बैहर विकासखंड के माना-लपटी मार्ग पर 2 करोड़ 88 लाख 39 हजार रुपये, बिरसा विकासखंड के सलघट पहुंच मार्ग पर 3 करोड़ 1 लाख 14 हजार रुपये, मुरकुट्टा मार्ग पर 4 करोड़ 7 लाख 27 हजार रुपये तथा बिरसा-भूतना मार्ग पर 2 करोड़ 52 लाख 74 हजार रुपये की लागत से पूर्व में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर हो चुके पुलों का निर्माण कराया जाएगा। इसके अलावा एक अन्य स्वीकृत पुल सहित कुल सात पुलों के निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

ग्रामीणों को मिलेगा सीधा लाभ

इन पुलों के निर्माण से बरसात के दौरान संपर्क बाधित होने की समस्या काफी हद तक समाप्त होगी। ग्रामीणों को बाजार, अस्पताल, स्कूल, शासकीय कार्यालय और कृषि उपज के परिवहन के लिए बेहतर संपर्क सुविधा उपलब्ध होगी। इससे क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क इकाई क्रमांक-01 के महाप्रबंधक श्री तोविंद्र सिंह जौहरे ने बताया कि सभी स्वीकृत पुलों के निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

एक नजर में

स्वैच्छिक पर्व पर नगर विकास प्रस्फुटन समिति ने किया पौधरोपण

नवभारत, बालाघाट। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा गठित नगर विकास प्रस्फुटन समिति, कटंगी एवं राजा भोज शासकीय महाविद्यालय, कटंगी के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक पर्व के अवसर पर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे गए तथा उनके संरक्षण का संकल्प लिया गया। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को कम करने और आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण देने के लिए पौधारोपण के साथ-साथ पौधों का संरक्षण भी आवश्यक है। इस अवसर पर राजा भोज शासकीय महाविद्यालय के प्राचार्य श्री अनिल कुमार सेंडे, जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक श्री सुरेंद्र कुमार भगत, नगर विकास प्रस्फुटन समिति के अध्यक्ष टिंकल बाघमारे,कुलदीप देशमुख, श्री चंद्रकांत तिवारी,दीपेन्द्र हिरकने, सतीश गढ़पाल, श्री मनीष कोहरे सहित समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

जिले में 21 जुलाई तक 426 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले में 01 जून से 21 जुलाई 2026 तक कुल 426 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि गत वर्ष 2025 में इसी अवधि में 656 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्यी वर्षा 1447 मिलीमीटर है और इसमें से 593 मिलीमीटर वर्षा 01 जून से 21 जुलाई 2026 की अवधि में हो जाना चाहिए।। कार्यालय अधीक्षक भू-अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 जुलाई को प्रात: 08 बजे समाप्त हुए 24 घंटों के दौरान बालाघाट तहसील में 14 मिमी, वारासिवनी में 10 मिमी, बैहर में 13 मिमी, लांजी में 02 मिमी, कटंगी में 01 मिमी, किरनापुर में 28 मिमी, खैरलांजी में 00 मिमी, लालबर्रा में 01 मिमी, बिरसा में 21 मिमी, परसवाड़ा में 02 मिमी एवं तिरोड़ी तहसील में 44 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। इस प्रकार चालू वर्ष में 01 जून से 21 जुलाई 2026 तक सबसे अधिक 575 मिलीमीटर वर्षा वारासिवनी तहसील में दर्ज की गई है, जबकि सबसे कम 245 मिलीमीटर वर्षा बिरसा तहसील में रिकॉर्ड की गई है। इस अवधि में बालाघाट तहसील में 550 मिलीमीटर, बैहर में 466 मिलीमीटर, लांजी में 396 मिलीमीटर, कटंगी में 393 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 351 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी में 459 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। वर्ष 2025 में इसी अवधि के दौरान बालाघाट तहसील में 836 मिलीमीटर, लालबर्रा में 750 मिलीमीटर, बिरसा में 445 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 786 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी में 648 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई थी।

ध्यान और स्वास्थ्य का दिया गया संदेश

नवभारत, बालाघाट। गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के छठवें दिन सांदीपनी विद्यालय, लेंडेझरी में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए योग, ध्यान एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के पूर्व व्याख्याता एच.आर. पटले ने विद्यार्थियों को योगाभ्यास एवं ध्यान का व्यावहारिक प्रशिक्षण देते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

एच.आर. पटले ने विद्यार्थियों को नियमित योग और ध्यान के शारीरिक एवं मानसिक लाभों की जानकारी देते हुए बताया कि योग न

केवल शरीर को स्वस्थ रखता है, बल्कि एकाग्रता, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच को भी बढ़ाता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य श्री ए.एन. त्रिपाठी ने की। उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा के अंतर्गत ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में अच्छे संस्कार, अनुशासन और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक हिरेन्द सोनेकर, दिलीप पटले, चिखले, घरडे, उके एवं रिनायत सहित विद्यालय परिवार के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सहायक प्राध्यापक पद पर चयनित प्रशू का प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में सम्मान

नवभारत, बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस, शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में आज हर्ष, गर्व एवं उत्साह का वातावरण रहा। महाविद्यालय की अतिथि विद्वान (इतिहास) सुश्री प्रशू गौतम के मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक (इतिहास) परीक्षा में चयनित होने पर महाविद्यालय परिवार द्वारा उनका आत्मीय अभिनंदन एवं सम्मान किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य डॉ. अशोक मराठे जी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सुश्री प्रशू

गौतम का स्वागत करते हुए उन्हें इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग जैसी प्रतिष्ठित एवं प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षा में सफलता प्राप्त करना कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प, निरंतर अध्ययन तथा आत्मविश्वास का परिणाम है। सुश्री प्रशू गौतम ने अपनी प्रतिभा, कर्मनिष्ठा एवं लगन से यह सिद्ध कर दिया है कि लक्ष्य के प्रति समर्पण और निरंतर प्रयास से कोई भी सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि उनका चयन महाविद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गर्व का विषय है तथा वे भविष्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवाओं से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए संस्था एवं प्रदेश का नाम गौरवान्वित करेंगी। इस अवसर पर प्राध्यापक संघ के अध्यक्ष डॉ. आर. एन. झारिया जी ने कहा कि सुश्री प्रशू गौतम की सफलता समर्पण, संघर्ष और उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रतिभा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे महाविद्यालय परिवार की उपलब्धि है। उनकी यह सफलता युवा शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति निष्ठा और परिश्रम के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान करेगी।

गैस एजेंसियों की जांच हेतु गठित टीम ने की कार्यवाही

नवभारत, बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीणा के द्वारा गैस एजेंसी से संबंधित जांच आदेश के परिपालन में तथा श्री एस. के. भलावी जिला आपूर्ति अधिकारी बालाघाट के निर्देशन पर गैस एजेंसियों की जांच हेतु टीम गठित किया गया। इस जांच दल में पी.एस वलाडी, सहायक आपूर्ति अधिकारी बालाघाट, आकाश श्रीवास्तव कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी बैहर, श्रीमती निहारिका अवस्थी कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी वारासिवनी एवं तुषार सिंह कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी कटंगी द्वारा विकासखंड कटंगी स्थित श्री माता एच पी ग्रामीण

वितरक जाम की जांच दिनांक 20/07/2026 को की गई। जिसमें 14.2केजी के घरेलू गैस सिलेंडर (खाली)- 211 सिलेंडर अधिक, 14.2द्मद्द के (भरे)- 243 नग सिलेंडर कम पाये गये, 05केजी के घरेलू गैस सिलेंडर (खाली)- 61 सिलेंडर अधिक पाये गये। 19kg के व्यावसायिक गैस सिलेंडर (खाली)- 3 सिलेंडर अधिक,एवं (भरे सिलेंडर)- 5 सिलेंडर कम पाये गये तथा 5kg के व्यावसायिक गैस सिलेंडर (खाली)- 11 सिलेंडर अधिक,एवं (भरे हुए सिलेंडर)- 114 सिलेंडर कम पाये गये।

इस प्रकार प्रथम दृष्टया गैस वितरण एवं प्रदाय में अनियमितता तथा स्टॉक का नियमित रूप से रख रखाव एवं संधारण नहीं किए जाने पर तथा अन्य अनियमितताएं एजेंसी में पाने जाने पर गैस एजेंसी श्री माता एचपी ग्रामीण वितरक जाम के प्रोपराइटर महेंद्र प्रताप सिंह के विरुद्ध द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस आदेश 2000 उल्लंघन किए जाने पर तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत दंडनीय अपराध पाए जाने पर प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नवभारत, खैरलांजी। निबंध, पोस्टर, रंगोली, व्याख्यान एवं शपथ के माध्यम से विद्यार्थियों को किया जागरूक आयुक्त, उच्च शिक्षा विभाग भोपाल के निर्देशानुसार वीरांगना रानी अवंती बाई शासकीय महाविद्यालय, खैरलांजी में मंगलवार को 'नशे से दूरी है जरूरी 2.0' अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) एवं रेड रिबन क्लब के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य श्री

नीरज सिंह ठाकुर के निर्देशन तथा राष्ट्रीय सेवा योजना एवं रेड रिबन क्लब के कार्यक्रम अधिकारी श्री रोहित कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. एस.के. अब्दुस शमीम, डॉ. प्रतिभा राजपूत, श्री वीरेंद्र कुमार पटले, डॉ. विवेक खरगाल, डॉ. मनीष डोंगरे, डॉ. अशोक टेम्भुरने, सुश्री शालिनी मेश्राम, श्री अमर सिंह गोंड सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को नशामुक्त जीवन अपनाने और समाज में जागरूकता का संदेश देने का प्रभावी प्रयास किया गया।

जनजागरूकता के लिए पोस्टर व नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन

नवभारत,बालाघाट। शासकीय कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय, बालाघाट में प्राचार्य डॉ. निधि ठाकुर की अध्यक्षता में आई.क्यू.ए.सी., रेड रिबन क्लब एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान तथा पुलिस विभाग के सहयोग से 'नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0' अभियान के अंतर्गत नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में थाना कोतवाली से उप निरीक्षक सत्येंद्र सिंह भदोरिया एवं उप निरीक्षक किरण वाकते मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

उन्होंने छात्राओं को नशे के बढ़ते दुष्प्रभाव, उससे होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक हानियों की जानकारी देते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उप निरीक्षक किरण वाकते ने छात्राओं से आगामी रक्षाबंधन पर्व पर अपने परिवार के सदस्यों से उपहार स्वरूप किसी भी प्रकार के नशे का त्याग करने का वचन लेने की अपील की। वहीं उप निरीक्षक सत्येंद्र सिंह भदोरिया ने छात्राओं को अपनी ऊर्जा नशे जैसी बुरी आदतों में व्यर्थ न कर शिक्षा, करियर और स्वस्थ समाज के निर्माण में लगाने के लिए प्रेरित किया।

स्वच्छ पेयजल और जागरूकता से डायरिया पर रोक लगाने की पहल

नवभारत, बालाघाट। जिले में जलजनित बीमारियों की रोकथाम एवं ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई) विभाग द्वारा 'डायरिया रोको अभियान' प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को कार्यपालन यंत्री श्री बी.एल. उइके के निर्देशन में विभागीय टीम ने कटंगी विकासखंड के ग्राम बोपली एवं बाहकल का भ्रमण कर जल स्रोतों की जांच, क्लोरीनेशन और स्वच्छता संबंधी जागरूकता गतिविधियां

संचालित कीं।

अभियान के दौरान ब्लॉक समन्वयक मोहिनी पटले, केमिस्ट सीमा मेश्राम एवं मीना रहांगडाले ने स्कूल के शिक्षकों, छात्र-छात्राओं और ग्रामीणों की उपस्थिति में फील्ड टेस्ट किट (एफटीके) के माध्यम से पेयजल स्रोतों की गुणवत्ता की जांच की। साथ ही ग्रामीणों को स्वयं एफटीके किट से पानी की जांच करने की विधि भी सिखाई गई, ताकि वे समय रहते दूषित पानी की पहचान कर सुरक्षित पेयजल का उपयोग कर सकें।

पेयजल स्रोतों का कराया गया क्लोरीनेशन

बरसात के मौसम में डायरिया एवं अन्य जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए पीएचई विभाग के हैंडपंप तकनीशियन की मौजूदगी में ग्राम बोपली और बाहकल के हैंडपंपों तथा अन्य सार्वजनिक पेयजल स्रोतों में जर्मेक्स डालकर क्लोरीनेशन किया गया। विभाग ने ग्रामीणों से अपील की कि वे पेयजल स्रोतों की नियमित साफ-सफाई बनाए रखें और दूषित पानी के उपयोग से बचें।

हेराफेरी | 5459 एमटी एथेनॉल प्लांट पहुंचा ही नहीं

17 हजार एमटी सरकारी चावल का खेल

नवभारत, बालाघाट। प्लांट तक चावल पहुंचाने के लिए 111 ट्रकों ने 183 ट्रिप की थीं। अब एसआईटी इन ट्रकों की आवाजाही, परिवहन दस्तावेजों, तौल पर्चियों और वास्तविक डिलीवरी के रिकॉर्ड का मिलान कर रही है।यही रिकॉर्ड यह पता लगाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं कि सरकारी चावल की आपूर्ति वास्तव में कहां तक हुई और किस चरण पर चावल की कथित हेराफेरी हुई। 5459 एमटी चावल का उपयोग कहां हुआ? जांच का सबसे बड़ा सवाल पूरे मामले की जांच का सबसे महत्वपूर्ण बिंदु अब 5459 मीट्रिक टन चावल बन गया है।

यदि यह चावल एथेनॉल प्लांट तक नहीं पहुंचा, तो क्या इसे किसी अन्य स्थान पर भेजा गया, क्या किसी निजी मिल या गोदाम में इसका उपयोग हुआ, क्या परिवहन दस्तावेजों में कोई गड़बड़ी हुई, क्या सरकारी चावल की आपूर्ति व्यवस्था में किसी स्तर पर मिलीभगत हुई। इन सभी सवालों के जवाब एसआईटी की जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेंगे। एफसीआई से लेकर मिलिंग और ट्रांसपोर्ट तक जांच का दायरा पुलिस और स्ट्रक्ष द्वारा मामले से जुड़े दस्तावेजों एवं रिकॉर्ड की जांच की जा रही है। इसमें तौल कांटा पर्चियां, भंडारण रिकॉर्ड, परिवहन दस्तावेज, मिलिंग डेटा और अन्य संबंधित रिकॉर्ड शामिल बताए जा रहे हैं। साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि सरकारी चावल की आवाजाही के दौरान विभिन्न स्तरों पर दर्ज रिकॉर्ड वास्तविक स्थिति से मेल खाते हैं या नहीं। फिलहाल एफसीएल अधिकारियों की सीधी संलिप्तता के ठोस साक्ष्य सामने नहीं आने की बात कही गई है। हालांकि, जांच जारी है और दस्तावेजों की विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

8 गिरफ्तार, 5 फरार, अब आगे किस पर कसेगा शिकंजा

मामले में 8 आरोपियों की गिरफ्तारी और 5 आरोपियों के फरार होने के बीच अब जांच एजेंसी की नजर उन कड़ियों पर है, जो कथित तौर पर पूरे नेटवर्क को जोड़ सकती हैं। जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ेगी, अन्य आरोपियों की भूमिका सामने आने और उनकी गिरफ्तारी की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि, किसी भी व्यक्ति की आपराधिक भूमिका का अंतिम निर्धारण जांच और न्यायिक प्रक्रिया के बाद ही होगा।

एनएसएस और पुलिस की नशा मुक्ति रैली ने दिया जागरूकता का संदेश

नवभारत, बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई एवं बालाघाट पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में 'नशा मुक्त भारत, खुशहाल भारत' अभियान के अंतर्गत संगोष्ठी, नशामुक्ति शपथ एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में किया गया। महाविद्यालय के वर्चुअल हॉल में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. योगेश विजयवार ने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं जिम्मेदार समाज के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी यदि

नशे से दूर रहेगी तो राष्ट्र का भविष्य भी मजबूत होगा। पुलिस विभाग की मेघा तिवारी ने 'नशा मुक्ति अभियान 2.0' की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में 15 से 31 जुलाई तक व्यापक जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। वहीं महिला आरक्षक साधना सैधव ने नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने की अपील की। कार्यक्रम में आरक्षक चिरंजीव बिसेन, निलेश बघेल, श्रद्धा चौहान, विशेष दस्ता के डिंपल, गगन एवं अलका तथा नेशनल वॉलिंटियर सिद्धार्थ गेडाम उपस्थित रहे। एनएसएस स्वयंसेविका श्रुति गौतम ने भी अपने विचार रखते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण में युवाओं की भागीदारी पर जोर दिया। संगोष्ठी के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्ति की शपथ ली। इसके बाद महाविद्यालय परिसर से अंबेडकर चौक तक जागरूकता रैली निकाली गई। रैली के दौरान स्वयंसेवकों ने मानव श्रृंखला बनाकर 'नशे से दूरी है जरूरी' और 'नशा मुक्त भारत, खुशहाल भारत' जैसे नारों के माध्यम से आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया।